दैनिक
विश्वनाथ समाचार
RNI NO. MPHIN/25/A4357
संदीप परमार (सेन)
(प्रधान संपादक)
मो. 9755161156
www.vishwanathsamachar.com | इंदौर, शुक्रवार 13 नवम्बर 2026 | वर्ष 1 | कुल पृष्ठ : 8 | DIGITAL EDITION

स्वच्छता अवॉर्ड में इंदौर का जलवा बरकरार

लीग से बाहर होने की खबरें भ्रामक

इंदौर-देपालपुर की जोड़ी ने देशभर में हासिल किया दूसरा स्थान, एक शहर-एक पुरस्कार के नियम के चलते बाकी कैटेगरी की सूची से हटाया गया इंदौर का नाम



संदीप परमार (सेन)
प्रधान संपादक-9755161156
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

इंदौर। स्वच्छता के क्षेत्र में देशभर में अपनी अलग पहचान बना चुके इंदौर को लेकर स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के पुरस्कारों के बाद उठे सवालों और चर्चाओं पर अब तस्वीर साफ हो गई है। इंदौर के सुपर स्वच्छ लीग से बाहर होने और उसकी रैंकिंग गिरने की खबरों के बीच नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने स्पष्ट किया है कि इंदौर न तो लीग से बाहर हुआ है और न ही उसकी उपलब्धि में कोई कमी आई है। बल्कि इस बार इंदौर ने एक अलग और चुनौतीपूर्ण कैटेगरी में देपालपुर के साथ जोड़ी बनाकर देशभर में दूसरा स्थान हासिल किया है। दरअसल, स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में इस बार सुपर स्वच्छ लीग में शामिल शहरों के सामने एक नई चुनौती रखी गई थी। इन शहरों को किसी अन्य शहर के साथ जोड़ी बनाकर वहां स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी दी गई थी। इसी क्रम में इंदौर की जोड़ी देपालपुर के साथ बनाई गई। इंदौर की टीम ने देपालपुर पहुंचकर स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने, सफाई के कार्यों में सुधार लाने और स्वच्छता के बेहतर मॉडल को जमीन पर उतारने के लिए काम किया। इस संयुक्त प्रयास का परिणाम यह रहा कि इंदौर-देपालपुर की जोड़ी ने देशभर में दूसरा स्थान प्राप्त कर शहर का गौरव बढ़ाया। इस श्रेणी में अहमदाबाद की जोड़ी पहले स्थान पर रही।





क्षितिज सिंघल निगमायुक्त इंदौर

एक शहर, एक पुरस्कार का नियम बना चर्चा की वजह

पुरस्कारों की घोषणा के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठा कि आखिर इंदौर का नाम सुपर स्वच्छ लीग की अन्य रैंकिंग में क्यों नजर नहीं आया? इस पर आयुक्त क्षितिज सिंघल ने बताया कि इस बार प्रतियोगिता में एक शहर को केवल एक ही कैटेगरी में पुरस्कार देने का नियम निर्धारित किया गया था। चूंकि इंदौर को देपालपुर के साथ जोड़ी वाली कैटेगरी में पुरस्कार मिल चुका था, इसलिए उसे अन्य कैटेगरी की रैंकिंग से अलग रखा गया। इसी नियम के तहत अहमदाबाद, इंदौर और तिरुपति को शेष लीग रैंकिंग में शामिल नहीं किया गया। इसके बाद बाकी शहरों की रैंकिंग तैयार की गई। यही तकनीकी प्रक्रिया इंदौर के लीग से बाहर होने की चर्चाओं की वजह बन गई। हालांकि, नगर निगम आयुक्त ने साफ किया कि इसे इंदौर की रैंकिंग में गिरावट या लीग से बाहर होने के तौर पर देखना पूरी तरह गलत है।

पोर्टल लाइव होने के बाद सामने आएंगे पूरे आंकड़े

आयुक्त ने बताया कि केंद्रीय मंत्री की ओर से भी स्पष्ट किया गया है कि एक-दो दिनों में स्वच्छता सर्वेक्षण का आधिकारिक पोर्टल लाइव हो जाएगा। पोर्टल पर सभी शहरों के प्राप्तांक और प्रदर्शन से जुड़े आंकड़े उपलब्ध होंगे। इसके बाद इंदौर की वास्तविक स्थिति और पुरस्कारों की पूरी प्रक्रिया को लेकर किसी तरह का संशय नहीं रहेगा।

सफाई मित्रों की मेहनत को दिया उपलब्धि का श्रेय

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने इस उपलब्धि के लिए इंदौर के सफाई मित्रों, नगर निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों और शहरवासियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इंदौर की स्वच्छता केवल किसी एक अभियान या आयोजन का परिणाम नहीं है, बल्कि इसके पीछे सफाई मित्रों का सालभर का अथक परिश्रम है। ये कर्मवीर हर मौसम, हर परिस्थिति और त्योहारों के दौरान भी शहर को स्वच्छ रखने के लिए लगातार जुटे रहते हैं। उन्होंने माना कि स्वच्छता के सफर में जहां कहीं भी कमियां रह गई हैं, उन्हें चिन्हित कर दूर किया जाएगा। आने वाले समय में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए नए प्रयास किए जाएंगे।

इंदौर की असली ताकत उसका स्वच्छता मॉडल



इस बार का पुरस्कार इंदौर के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि शहर ने केवल अपनी स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखने तक ही खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि देपालपुर के साथ मिलकर दूसरे शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इंदौर-देपालपुर की जोड़ी का देश में दूसरा स्थान इस बात का संकेत है कि इंदौर का स्वच्छता मॉडल अब दूसरे शहरों के लिए भी मार्गदर्शक बन रहा है। ऐसे में पुरस्कारों के बाद रैंकिंग को लेकर उठे सवालों के बीच आयुक्त का स्पष्टीकरण महत्वपूर्ण है। साफ है कि इंदौर की उपलब्धि बरकरार है और इस बार शहर ने अपनी पहचान केवल व्यक्तिगत प्रदर्शन से नहीं, बल्कि दूसरे शहर को साथ लेकर आगे बढ़ने के प्रयास से भी कायम रखी है।

विकसित भारत

का लक्ष्य 2047 तक: मोदी

शताब्दी वर्ष तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प, सामूहिक प्रयास पर जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का बड़ा लक्ष्य तय किया है। स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ तक भारत को विकसित देश बनाने का यह संकल्प पूरे देश की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार, उद्योग, किसान, युवा और देश के प्रत्येक नागरिक को अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने आत्मनिर्भरता, सुधार, नवाचार और आधुनिक बुनियादी ढांचे को विकसित भारत की आधारशिला बताया। मोदी के अनुसार, 2047 का लक्ष्य केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है।

केजरीवाल को लॉरेंस गैंग की धमकी

सात करोड़ की रंगदारी मांगने का दावा

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के नाम से धमकी मिलने का मामला सामने आया है।

बताया जा रहा है कि धमकी के साथ सात करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई। जानकारी के मुताबिक, यह धमकी भरा संदेश तिलक नगर के विधायक को मिला, जिसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। संदेश



में केजरीवाल को निशाना बनाने की धमकी का दावा किया गया है। मामले के सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। पुलिस संदेश भेजने वाले व्यक्ति और उसके पीछे की वास्तविकता का पता लगाने में जुटी जा रही है कि संदेश वास्तव में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा है ।

दैनिक
विश्वनाथ समाचार
इंदौर, शुक्रवार 13 नवम्बर 2026

डही में 13 नवंबर को होगा मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान कार्यक्रम का जिला स्तरीय शिविर

धार। जिला प्रशासन धार एवं जिला रोजगार कार्यालय धार के संयुक्त तत्वावधान में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत 13 नवंबर 2026 को डही में जिला स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को शासन की योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी साथ ही पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। कार्यक्रम में एक दिवसीय युवा संगम रोजगार मेले का भी आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डही एवं शासकीय सी.एम. राइज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डही में विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग भी आयोजित की जाएगी। रोजगार मेले में औद्योगिक क्षेत्र की विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल होकर साक्षात्कार के माध्यम से योग्य युवाओं का चयन करेंगी। मेले के माध्यम से लगभग 200 पदों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसमें नवशक्ति बायोकेयर इंदौर एवं धार, एलआईसी कुक्षी, आई मार्ट कुक्षी, सूर्यवंशी टूल्स प्रा. लि. पीथमपुर, युवा शक्ति फाउंडेशन पीथमपुर, सागर सीमेंट जीराबाद, आयशर कंपनी पीथमपुर, क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण लिमिटेड इंदौर तथा जील कंपनी छायन बदनावर सहित अन्य कंपनियां भाग लेंगी। रोजगार मेले में 18 से 35 वर्ष आयु के ऐसे युवा, जिन्होंने 5वीं, 10वीं, 12वीं, स्नातक, आईटीआई अथवा डिप्लोमा उत्तीर्ण किया है, वे भाग ले सकते हैं।

नवागत प्राचार्य द्वारा पदभार ग्रहण

विश्वनाथ समाचार -प्रकाश वर्मा
www.vishwanathsamachar.com



देपालपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अटाहेड़ा में एक ऐतिहासिक और खुशियों भरा पल देखने को मिला, जब नवागत प्राचार्य रामेश्वर प्रजापति ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। कई वर्षों के लंबे इंतजार के बाद विद्यालय को स्थायी एवं नियमित प्राचार्य मिला है। इस अवसर पर विद्यालय एवं संकुल अटाहेड़ा परिवार ने पुष्पमाला पहनाकर और गर्मजोशी से नवागत प्राचार्य का अभिनंदन किया। मध्यप्रदेश शासन, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रमोशन प्रक्रिया तीव्र गति से संपन्न की जा रही है। इसी कड़ी में श्री रामेश्वर प्रजापति जी का हाई स्कूल प्राचार्य पद से हायर सेकेण्डरी प्राचार्य के रूप में प्रमोशन हुआ है और उनकी नवीन पदस्थापना शा.उ.मा.वि. अटाहेड़ा में हुई है। पदभार ग्रहण के अवसर पर संकुल एवं जनशिक्षा केंद्र अटाहेड़ा में खुशियों का माहौल रहा। समस्त स्टाफ ने एकजुट होकर नवागत प्राचार्य जी का स्वागत किया और विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर सभी ने विश्वास जताया कि प्रजापति जी के कुशल मार्गदर्शन में विद्यालय शिक्षा, अनुशासन और संस्कारों के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुएगा।

बनेड़िया में खेत के कमरे में मिला युवक का शव, गांव में शोक की लहर

विश्वनाथ समाचार -प्रकाश वर्मा
www.vishwanathsamachar.com

देपालपुर। बनेडिया गांव के खार वाले जंगल क्षेत्र में सुबह करीब 6:30 बजे एक दर्दनाक घटना सामने आई। खेत पर बने कमरे में गांव के युवक राजेश ननवाना (40) का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। घटना से पूरे गांव में शोक और सन्नाटा पसर गया। जानकारी के अनुसार राजेश ननवाना रोजाना की तरह सुबह स्नान कर पूजा-पाठ के बाद अपने खेत पर पानी फेरने के लिए गए थे। कुछ देर बाद परिवार के बालक श्याम पटेल खेत पर पहुंचे तो कमरे में राजेश का शव देखकर जोर-जोर से चिल्लाने लगे। आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे किसान मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत गांव में परिजनों और ग्रामीणों को सूचना दी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण खेत पर पहुंच गए। इसके बाद देपालपुर थाने को सूचना दी गई। सूचना पर 112 वाहन के साथ पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा



कार्रवाई कर मर्ग कायम किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद दोपहर करीब 12:30 बजे युवक का अंतिम संस्कार किया गया। बताया जाता है कि राजेश ननवाना बचपन से ही अपने मामा के घर बनेड़िया में रहता था। उसकी शादी नहीं हुई थी। वह प्रतिदिन खेत पर जाकर अपने काम में लगा रहता था और स्वभाव से मेहनती था। उसने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई, 5 प्रकरण दर्ज

85 लीटर हाथ भट्ठी मदिरा एवं 3500 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त, 3.62 लाख रुपये की सामग्री बरामद

धार। कलेक्टर राजीव रंजन मीना के निर्देशानुसार जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध आबकारी विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत आबकारी वृत्त कुक्षी में कार्रवाई करते हुए 5 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। सहायक आबकारी आयुक्त श्री दीपक अवस्थी के मार्गदर्शन एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री मोहनलाल भायल के नेतृत्व में गुरुवार को आबकारी विभाग की टीम द्वारा सीतलामाता, बारूद फलिया, गोगांव नदी किनारे, तालाब फलिया, मकड़वानी एवं धनोरा के नदी-नालों के किनारे स्थित अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही की गई।

कार्यवाही के दौरान 85 लीटर हाथ भट्ठी मदिरा एवं 3500 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया। महुआ लाहन के नमूने लेकर शेष लाहन को मौके पर ही नष्ट किया गया। इस संबंध में अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधन 2000) की धारा 34(1)(एफ) के तहत 5 प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिए गए हैं। जब्त मदिरा एवं महुआ लाहन का अनुमानित मूल्य लगभग 3 लाख 62 हजार 750 रुपये है।

किसानों की समस्याएं लेकर गांव-गांव पहुंच रहे विजेन्द्र चौहान, 15 नवंबर को चोरल डेम पर महापंचायत

35 गांवों में किसानों से सीधा संवाद, पानी की कमी से आधे खेतों में ही हो पाई बोवनी

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

महू। किसानों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस नेता विजेन्द्र सिंह चौहान ने ग्रामीण क्षेत्रों में संपर्क अभियान शुरू किया है। वे लगातार गांवों में पहुंचकर किसानों से चर्चा कर रहे हैं और खेती-किसानी से जुड़ी परेशानियों को दर्ज कर रहे हैं। इसी क्रम में 15 नवंबर को चोरल डेम पर किसान महापंचायत बुलाई गई है, जिसमें क्षेत्र के किसान अपनी मांगों को लेकर एकजुट होंगे। चौहान



अब तक करीब 35 गांवों का दौरा कर चुके हैं। इनमें जाम बुजुर्ग, सोनवाय, दरजनपुरा, खेड़ी सिहोद, यशवंत नगर, कुवाली, भाटखेड़ी, अंबाचंदन, बड़गोंदा, कमदपुर, माधवपुरा, कुमठी, जोशी गुराड़िया, बसी पिपरी, शिव नगर, फफूंद, बड़िया, सिलोटिया, केसरबर्डी, मलेंडी और जाकुखेड़ी सहित आसपास के गांव शामिल हैं। वे किसानों की बात सुनने के साथ ही उनकी समस्याओं को डायरी में लिख रहे हैं, ताकि महापंचायत में मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जा सके। गांवों में भ्रमण के दौरान सिंचाई के पानी का संकट सबसे बड़ी समस्या बनकर सामने आया है। कई गांवों में तालाब सूखे हैं, बोरवेल का जलस्तर नीचे चला गया है और चोरल डेम से नहरों में पानी नहीं छोड़े जाने के कारण किसान परेशान हैं। पानी के अभाव में इस बार आधे कृषि रकबे में ही बोवनी हो सकी। बिजली कटौती, खाद की कमी और सहकारी समितियों से जुड़ी दिक्कतों ने भी किसानों की परेशानी बढ़ाई है।

15 नवंबर को होने वाली महापंचायत में चोरल डेम और क्षेत्र के खाली तालाबों को नर्मदा के पानी से भरने तथा नहरों के माध्यम से खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने की मांग की जाएगी। इसके साथ किसानों के बिजली बिल माफ करने, नियमित बिजली देने, पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने, किसान क्रेडिट कार्ड का कर्ज माफ करने और रबी फसल के रकबे के अनुसार मुआवजा देने की मांग भी रखी जाएगी। रेल और सड़क परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित जमीन का वर्तमान बाजार मूल्य से चार गुना मुआवजा देने का मुद्दा भी उठेगा।

महापंचायत में किसानों के आगामी आंदोलन की दिशा तय की जाएगी। प्रेस वार्ता में मनमोहन गुनावद, डॉ. अजय सिंह धनावत, विष्णु मालवीय, अभिषेक यादव, महेश परमार, शेखर मालवीय, विक्रम राजपूत, प्रवीण पाटिल, गौरव शर्मा, पवन मुकाती, इंद्रजीत गोड़, आशीष वर्मा, नरसिंह मौर्य, लीलाधर मौर्य, गणेश चंदेल और राजेश बरोड़ मौजूद थे।

खड़ी गांव में अवैध शराब से त्रस्त वृद्ध महिलाएं पहुंची एसडीएम कार्यालय, बोलीं-अब तो वृंदावन जाना पड़ेगा

विश्वनाथ समाचार -अनिल बाजपेयी
www.vishwanathsamachar.com



देपालपुर। अवैध शराब की बिक्री से परेशान खड़ी गांव की वृद्ध महिलाओं ने गुरुवार को एसडीएम कार्यालय पहुंचकर नायब तहसीलदार आनंद जायसवाल को ज्ञापन सौंपा। महिलाओं ने गांव में शराब की बिक्री तत्काल बंद कराने और शराब विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में ग्रामीण महिलाओं ने आरोप लगाया है कि गांव में अखिलेश पिता बलिराम, पदम पिता रामसिंह और वासुदेव पिता ओंकार द्वारा अवैध शराब बेची जा रही है। शिकायत के अनुसार इसी शराब के कारण गांव के युवा नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं और घरों में आए दिन विवाद हो रहा है। शिकायतकर्ता महिलाओं ने कहा, "हमारे लड़के दारू पीते हैं और हमसे विवाद करते हैं। शराब पीकर घर की महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं।" महिलाओं ने बताया कि शराब के कारण गांव में चोरी जैसी घटनाओं में भी इजाफा हुआ है और गांव की आने वाली पीढ़ी पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। व्यथा व्यक्त करते हुए एक वृद्ध महिला ने कहा, "दारू वालों से इतने परेशान हो गए हैं कि अब अनिरुद्ध महाराज के यहां वृंदावन जाएंगे।" ज्ञापन पर शिकायतकर्ता के रूप में गांव की वृद्ध महिलाओं - मांगूबाई पति हेमसिंह, अयोध्याबाई पति प्रेमसिंह, सावित्रीबाई पति लेणासिंह, शायर बाई पति भेरू सिंह, भगवंत बाई पति हरिराम, देवकन्या बाई पति कनीराम, रामकन्या बाई पति बापू सिंह और शारदा बाई पति रामप्रसाद आदि ने हस्ताक्षर किए हैं। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही गांव में शराब की बिक्री बंद नहीं हुई तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

जनजातीय गौरव दिवस पर होगा भगवान बिरसा मुंडा की गौरव गाथा का स्मरण

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

रतलाम/ जनजातीय गौरव दिवस 15 नवंबर को मनाया जाएगा, जिसमें भगवान बिरसा मुंडा की गौरवगाथा एवं देश के प्रति जनजातीय नायकों के योगदान का स्मरण किया जाएगा । जनजाती कार्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न हाई स्कूल, हायर सेकेंडरी स्कूल, छात्रावास, आश्रम, विशिष्ट विद्यालयों में इस दिन विशेष आयोजन होंगे , जिसमें भगवान बिरसा मुंडा की गौरवगाथा विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताएं होंगी । उक्त जानकारी देते हुए जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त श्रीमती प्रियंका राय ने बताया कि जनजातीय गौरव दिवस पर विकासखंड स्तरीय आयोजन होगा, जिसमें डही जिला धार में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन का वेबकास्ट के माध्यम से सीधा प्रसारण होगा। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित प्रत्येक जनजातीय छात्रावास एवं आश्रम का 16 एवं 17 नवंबर को जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जाएगा। छात्रावास में निवासरत विद्यार्थियों के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था होगी।

जिन संस्थाओं में छात्रावास दिवस पर पालक शिक्षक संघ की बैठक आयोजित नहीं हुई है, उनमें पालक शिक्षक संघ की बैठकों का आयोजन भी किया जाएगा। 16 से 18 नवंबर तक विभाग द्वारा संचालित समस्त विद्यालयों में साहित्यिक एवं सांस्कृतिक आयोजन होंगे , जिसमें भगवान बिरसा मुंडा के योगदान पर केंद्रित विषय पर जनजातीय नृत्य , नाटक, संगीत, रंगोली, चित्रकला, निबंध , भाषण एवं अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी ।

भगवान भरोसे चल रहा देपालपुर का कृषि विभाग, दिनभर खाली रहीं कुर्सियां, किसानों ने GPS टाइमिंग फोटो उपसंचालक को भेजे

किसानों से सीधे जुड़े कृषि विभाग का देपालपुर कार्यालय गुरुवार को पूरे दिन भगवान भरोसे चलता नजर आया



जीवन डोडिया
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

देपालपुर। केसूर रोड स्थित कृषि विभाग के कार्यालय में सुबह से लेकर देर शाम तक एक भी अधिकारी-कर्मचारी तैनात नहीं मिला। कार्यालय की कुर्सियां खाली पड़ी रहीं और किसान दर-दर भटकते रहे। मामला तब उजागर हुआ, जब परेशान किसानों ने कार्यालय पहुंचकर वहां की स्थिति को अपने मोबाइल से मैप टाइमिंग कैमरे से फोटो खींचकर कृषि विभाग के उपसंचालक संदीप यादव को भेज दिए। फोटो में समय और लोकेशन के साथ कार्यालय की खाली कुर्सियां साफ दिखाई दे रही हैं। किसानों का कहना है कि यह कोई एक दिन की बात नहीं है, बल्कि अब यह रोज की हकीकत बन गई है।

खाद-बीज के लिए भटक रहे किसान, कोई सुनने वाला नहींइस समय रबी सीजन की तैयारियों के बीच किसान खाद, बीज, लाइसेंस, अनुदान और योजनाओं की जानकारी के लिए कार्यालय पहुंच रहे हैं। लेकिन कार्यालय में कोई जिम्मेदार मौजूद नहीं होने से किसानों को बैरंग लौटना पड़ रहा है। किसानों ने आरोप लगाया कि कृषि विभाग जैसा महत्वपूर्ण विभाग पूरी तरह लापरवाह हो गया है। किसानों का कहना है, "जब कृषि विभाग किसानों से जुड़ा विभाग है, तो कार्यालय में ताला और खाली कुर्सियां क्यों? हम किससे अपनी समस्या कहें?"







वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी के आते ही बिगड़े हालात - किसानों का आरोप

किसानों ने वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अनिल कुमार निगम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए हैं। किसानों का आरोप है कि देपालपुर में उनकी पोस्टिंग के बाद से कृषि विभाग के हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। स्टाफ पर कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। किसानों के अनुसार कार्यालय में न समय पर उपस्थिति है, न काम के प्रति जवाबदेही।

बाजार में खाद-बीज की कालाबाजारी, बिना लाइसेंस चल रही दुकानें

दूसरी ओर बाजार में खाद-बीज की कालाबाजारी जारी है। किसानों का आरोप है कि कई दुकानें बिना लाइसेंस के संचालित हो रही हैं, लेकिन विभाग की ओर से कोई जांच और कार्रवाई नहीं हो रही है।

इससे किसानों को महंगे दामों पर खाद-बीज खरीदना पड़ रहा है और नकली बीज का भी खतरा बना हुआ है। किसानों ने मांग की है कि उपसंचालक संदीप यादव स्वयं मामले की जांच करें, GPS टाइमिंग फोटो की सत्यता की पुष्टि करें और दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। साथ ही बिना लाइसेंस चल रही दुकानों और कालाबाजारी पर तत्काल अंकुश लगाया जाए। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द व्यवस्था नहीं सुधरी तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

दैनिक विश्वनाथ समाचार
इंदौर, शुक्रवार 13 नवम्बर 2026

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 13 नवंबर को 1.24 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में 1,831 करोड़ रुपये से अधिक की राशि करेंगे अंतरित

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार, 13 नवंबर को शिवपुरी जिले के पिछोर से प्रदेश की 1 करोड़ 24 लाख 81 हजार 550 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 42वीं किस्त के रूप में 1,831 करोड़ 77 लाख रुपये से अधिक की राशि का अंतरण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर शिवपुरी जिले में 221 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी करेंगे।

लाड़ली बहनों को अब हर महीने मिल रहे 1,500 रुपये

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की शुरुआत जून 2023 में की गई थी। योजना के प्रारंभ में पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी। अक्टूबर 2023 में सहायता राशि बढ़ाकर 1,250 रुपये की गई। इसके बाद नवंबर 2025 से मासिक सहायता राशि में पुनः 250 रुपये की वृद्धि कर इसे 1,500 रुपये कर दिया गया। वर्तमान में पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1,500 रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके आधार से जुड़े



डीबीटी सक्रिय बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश की स्थानीय निवासी ऐसी विवाहित महिलाएं पात्र हैं, जिनकी आयु आवेदन के कैलेंडर वर्ष में एक जनवरी की स्थिति में 21 वर्ष पूर्ण हो चुकी हो तथा 60 वर्ष से कम हो। इनमें विधवा, तलाकशुदा और परित्यक्ता महिलाएं भी शामिल हैं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त करने वाली पात्र महिलाओं को भी योजना के प्रावधानों के अनुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। जून 2023 से अब तक 69 हजार करोड़ रुपये से अधिक की सहायता मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत जून 2023 में लगभग सवा करोड़ महिलाओं को प्रथम किस्त का अंतरण किया गया था। अक्टूबर 2026 तक योजना की 41 मासिक किस्तों के माध्यम से पात्र महिलाओं के खातों में 67 हजार 230 करोड़ 96 लाख रुपये की राशि अंतरित की जा चुकी है। नवंबर 2026 में 42वीं किस्त के अंतरण के बाद योजना के प्रारंभ से कुल आर्थिक सहायता राशि बढ़कर लगभग 69 हजार 50 करोड़ 28 लाख रुपये हो जाएगी। योजना के अंतर्गत नियमित मासिक आर्थिक सहायता के अतिरिक्त अगस्त 2023, अगस्त 2024, अगस्त 2025 और अगस्त 2026 में चार अवसरों पर पात्र महिलाओं को 250 रुपये की विशेष आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 23,882 करोड़ रुपये से अधिक का बजट प्रावधान राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के निरंतर और प्रभावी संचालन के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में 23 हजार 882 करोड़ 81 लाख रुपये का बजट प्रावधान किया है। योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में 14 हजार 726 करोड़ 5 लाख रुपये, वर्ष 2024-25 में 19 हजार 51 करोड़ 39 लाख रुपये तथा वर्ष 2025-26 में 20 हजार 318 करोड़ 53 लाख रुपये व्यय किए गए। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में अक्टूबर तक 13 हजार 134 करोड़ 97 लाख रुपये की सहायता प्रदान की जा चुकी है।

इंदौर जिले में मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्य हुआ प्रारंभ

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार इंदौर जिले में आज 12 नवंबर से मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 प्रारंभ हो गया है। इसके तहत आज 12 नवम्बर को इंदौर जिले की सभी 9 विधानसभा क्षेत्रों की प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। इस संबंध में आज कलेक्टर कार्यालय में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मान्यता प्राप्त सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को प्रारूप मतदाता सूची और प्रारूप मतदान केंद्रों की सूची का वितरण किया गया। बैठक में संयुक्त कलेक्टर और सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अजीत श्रीवास्तव और मुख्य मास्टर ट्रेनर डॉ.आर. के. पांडे सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन, मतदाता केंद्रों के युक्तियुक्तकरण तथा पुनरीक्षण कार्यक्रम की समय-सारणी की जानकारी दी गई। प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची के अनुसार इंदौर जिले में कुल 25 लाख 36 हजार 870 मतदाता दर्ज हैं। इनमें 12 लाख 75 हजार 964 पुरुष, 12 लाख 60 हजार 810 महिला तथा 96 अन्य मतदाता शामिल हैं। जिले का जेंडर रेशियो 988 है। जिले की सभी 9 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 3,209 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इनमें देपालपुर में 358, इंदौर-1 में 387, इंदौर-2 में 356, इंदौर-3 में 202, इंदौर-4 में 325, इंदौर-5 में 437, महू में 362, राऊ में 403 तथा सांवेर में 379 मतदान केंद्र शामिल हैं।11 दिसम्बर तक दर्ज करा सकेंगे दावे-आपत्तियां

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 12 नवम्बर से 11 दिसम्बर 2026 तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन कराने तथा अन्य दावे-आपत्तियां प्रस्तुत की जा सकेंगी। प्राप्त दावे-आपत्तियों का निराकरण 28 दिसम्बर 2026 तक किया जाएगा। इसके बाद 4 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। नाम जुड़वाने के आवेदन पत्र 6 के साथ घोषणा पत्र नहीं लिया जायेगा। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से प्रारूप मतदाता सूची का अवलोकन करने तथा पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल कराने के लिए आवश्यक सहयोग करने की अपेक्षा की गई।

माचल में मां कालका लिकर गैलरी से गांव-गांव फैल रहा अवैध शराब का जाल, आबकारी विभाग की चुप्पी पर उठ रहे सवाल



जीवन डोडिया

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

(बेटमा)। देपालपुर तहसील के माचल गांव में स्थित शराब ठेका अब अवैध शराब के कारोबार का केंद्र बनता जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि यहां से गांव-गांव में अवैध शराब की बिक्री संचालित हो रही है, लेकिन जिम्मेदार विभाग आंख मूंदे बैठा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार माचल स्थित ठेका मां कालका लिकर गैलरी के नाम से संचालित है, जिसके अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता शोभित यादव पिता मूलचंद यादव, पता जी-2/34, शंकरबाग, मरीमाता चौराहा के पास, इंदौर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इसी ठेके की आड़ में क्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार फल-फूल रहा है।

दूसरे जिलों में जहरीली शराब से मौतें, फिर भी नहीं जागा विभाग

प्रदेश के अन्य कई जिलों में जहरीली शराब से लोगों की मौत की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसके बावजूद देपालपुर क्षेत्र में अवैध शराब पर रोक नहीं लग पाई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो यहां भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि यह सब आबकारी विभाग की मिलीभगत के बिना संभव नहीं है। उनका सवाल





दीपक सक्सेना आबकारी कमिश्नर

है कि आखिरकार आबकारी विभाग के उपनिरीक्षक राजेश वट्टी शराब ठेकेदार पर कार्रवाई क्यों नहीं



राजेश वट्टी आबकारी उपनिरीक्षक

कर रहे हैं? कब तक सांठगांठ के सहारे अवैध शराब की बिक्री होती रहेगी?

आयुक्त संवेदनशील, फिर भी मैदान में नहीं दिख रही कार्रवाई

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश के आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना इस मामले में बेहद संवेदनशील माने जाते हैं। उन्होंने अवैध शराब के खिलाफ प्रदेशभर में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हुए हैं। इसके बावजूद ग्रामीणों का आरोप है कि स्थानीय स्तर पर उपनिरीक्षक राजेश वट्टी कार्रवाई करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आयुक्त के निर्देश जमीन पर उतर ही नहीं पा रहे हैं। शिकायतों के बाद भी न छापेमारी हो रही है, न अवैध ठिकानों पर कार्रवाई।

गांव-गांव में फैल रहा नशा, बिगड़ रहा सामाजिक ताना-बाना

अवैध शराब की वजह से गांवों में युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में आ रही है। घरों में विवाद, मारपीट और महिलाओं के साथ अत्याचार की घटनाएं बढ़ रही हैं। ग्रामीण महिलाओं ने भी इस पर गहरी चिंता जताई है। ग्रामीणों ने मांग की है कि आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना स्वयं इस मामले का संज्ञान लें, माचल ठेके और उससे जुड़े अवैध कारोबार की उच्चस्तरीय जांच कराएं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। साथ ही लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की भूमिका की भी जांच हो। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करने और उच्च अधिकारियों से शिकायत करने को मजबूर होंगे।

100 वर्ष पुरानी प्रभात फेरी का भव्य स्वागत, वैश्य समाज ने श्रद्धालुओं को कराया दूध वितरण



विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

देपालपुर। नगर में पिछले 100 वर्षों से निरंतर निकाली जा रही ऐतिहासिक प्रभात फेरी का वैश्य समाज द्वारा भव्य और आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों व सदस्यों ने प्रभात फेरी में शामिल श्रद्धालुओं को दूध वितरित कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

एक माह तक रहता है भक्तिमय माहौल

कार्तिक मास से प्रारंभ होने वाली यह प्राचीन प्रभात फेरी पूरे एक माह तक प्रतिदिन प्रातःकाल निकाली जाती है। नगर के मुख्य मार्गों का भ्रमण करते हुए जब श्रद्धालु प्रभु का गुणगान और संकीर्तन करते हैं, तो पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठता है। इस गौरवशाली परंपरा को जीवित रखने में नगर के वरिष्ठजनों के साथ-साथ युवाओं की भी महत्वपूर्ण भागीदारी रहती है। सुबह-सुबह प्रभात फेरी के साथ उमड़ने वाली भीड़ नगर की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बन जाती है।

आयोजकों का किया सम्मान, सहयोग का दिया आश्वासन

कार्यक्रम के दौरान वैश्य समाज के सदस्यों ने प्रभात फेरी के प्रमुख संचालक बाली यादव, नरेंद्र गिरी गोस्वामी सहित समस्त मुख्य सदस्यों का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया। समाज के पदाधिकारियों ने इस परोपकारी और धार्मिक कार्य की सराहना करते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमें इस परंपरा में सेवा का अवसर मिला। उन्होंने भविष्य में भी इस आयोजन को और अधिक भव्य बनाने के लिए निरंतर सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया।

प्रमुख रूप से ये रहे मौजूद

दूध वितरण एवं स्वागत के इस आयोजन में वैश्य समाज के युवा जिला प्रभारी मनोज अग्रवाल, युवा तहसील अध्यक्ष पीयूष विजयवर्गीय, नगर अध्यक्ष प्रवीण मोदी, युवा नगर अध्यक्ष शिवम सोनी एवं सोशल मीडिया प्रभारी कुशाग्र गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रभात फेरी में नगर की महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और वरिष्ठ नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

कृषि उपज मंडी धार में दीपावली के बाद शुभ मुहूर्त में शुरू हुई उपज की नीलामी



जीवन डोडिया
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

कलेक्टर की उपस्थिति में हुआ शुभारंभ, सोयाबीन का भाव 10,001 रुपये प्रति क्विंटल रहा

धार। दीपावली पर्व के पश्चात कृषि उपज मंडी धार में कृषि उपज की नीलामी का शुभारंभ उत्साह एवं उल्लास के साथ हुआ। अनाज, दलहन एवं तिलहन व्यापार विकास समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर राजीव रंजन मीना मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां महालक्ष्मी के पूजन-अर्चन के साथ किया गया। इसके पश्चात विधि-विधान एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ कृषि उपज की नीलामी प्रारंभ हुई। नीलामी की शुरुआत बैलगाड़ी में लाई गई सोयाबीन की उपज से टोकन पद्धति के माध्यम से की गई। विक्रय के लिए आई बैलगाड़ियों की प्रवेश पर्चियां एकत्रित कर कलेक्टर श्री मीना ने प्रथम पर्ची निकाली। इसमें ग्राम कलमखेड़ी के कृषक बहादुर की सोयाबीन की उपज की नीलामी हुई, जिसे फर्म चंचल ट्रेडर्स ने 10,001 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदा। इसके बाद द्वितीय एवं तृतीय पर्ची के माध्यम से भी नीलामी की गई तथा मंडी में नियमित रूप से कृषि उपज की नीलामी प्रक्रिया प्रारंभ हो गई।

कार्यक्रम में मंडी समिति के भारसाधक अधिकारी राजकुमार हलदर, मंडी सचिव एम.आर. जमरे, व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष अनंतकुमार अग्रवाल, सचिव मुकेश राठौर एवं कोषाध्यक्ष आशीष जैन सहित एसोसिएशन के पदाधिकारी, सदस्य एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों का बैंड-बाजों के साथ नीलामी स्थल पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्य सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। अंत में मंडी सचिव एम.आर. जमरे ने मंडी प्रांगण में आने वाले क्षेत्र के समस्त कृषकों, व्यापारियों एवं हम्माल-तुलावटी भाइयों को दीपावली पश्चात कृषि उपज की खरीदी प्रारंभ होने पर शुभकामनाएं दीं।

जनजातीय गौरव दिवस पर होगा भगवान बिरसा मुंडा की गौरव गाथा का स्मरण

विद्यालयों एवं छात्रावासों में होंगे विशेष आयोजन

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

रतलाम जनजातीय गौरव दिवस 15 नवंबर को मनाया जाएगा, जिसमें भगवान बिरसा मुंडा की गौरवगाथा एवं देश के प्रति जनजातीय नायकों के योगदान का स्मरण किया जाएगा । जनजाती कार्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न हाई स्कूल, हायर सेकेंडरी स्कूल, छात्रावास, आश्रम, विशिष्ट विद्यालयों में इस दिन विशेष आयोजन होंगे , जिसमें भगवान बिरसा मुंडा की गौरवगाथा विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताएं होंगी ।

उक्त जानकारी देते हुए जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त श्रीमती प्रियंका राय ने बताया कि जनजातीय गौरव दिवस पर विकासखंड स्तरीय आयोजन होगा, जिसमें डही जिला धार में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन का वेबकास्ट के माध्यम से सीधा प्रसारण होगा। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित प्रत्येक जनजातीय छात्रावास एवं आश्रम का 16 एवं 17 नवंबर को जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जाएगा। छात्रावास में निवासरत विद्यार्थियों के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था होगी। जिन संस्थाओं में छात्रावास दिवस पर पालक शिक्षक संघ की बैठक आयोजित नहीं हुई है, उनमें पालक शिक्षक संघ की बैठकों का आयोजन भी किया जाएगा।

16 से 18 नवंबर तक विभाग द्वारा संचालित समस्त विद्यालयों में साहित्यिक एवं सांस्कृतिक आयोजन होंगे , जिसमें भगवान बिरसा मुंडा के योगदान पर केंद्रित विषय पर जनजातीय नृत्य , नाटक, संगीत, रंगोली, चित्रकला, निबंध , भाषण एवं अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी ।

18 से 20 नवंबर तक जनजातीय विकासखंड स्तर पर स्थानीय रूप से चयनित ग्रामों में जनजातीय गौरव चौपाल का आयोजन किया जाएगा । उन्होंने जिले के समस्त विद्यालय के प्राचार्यों एवं छात्रावास, आश्रमों के अधीक्षकों को शासन के निर्देशानुसार आयोजन करने के निर्देश दिए हैं।

पीथमपुर के औद्योगिक क्षेत्र के नाले में मिला युवक का अर्धनग्न शव, हत्या की आशंका से जांच में जुटी पुलिस

टंट्या मामा भील चौराहे के पास मिला शव दो से तीन दिन पुराना होने का अनुमान, एफएसएल टीम ने जुटाए फिंगरप्रिंट और अन्य साक्ष्य; पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा मौत का राज

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

औद्योगिक नगर पीथमपुर में एक युवक का शव नाले में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

पीथमपुर। मामला सेक्टर-1 थाना क्षेत्र के टंट्या मामा भील चौराहे के पास का है, जहां औद्योगिक क्षेत्र के नाले में गुरुवार सुबह राहगीरों ने एक युवक का अर्धनग्न और क्षत-विक्षत शव देखा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में शव करीब दो से तीन दिन पुराना होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

युवक की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। राहगीरों ने नाले में देखा शव, पुलिस को दी सूचना गुरुवार सुबह क्षेत्र से गुजर रहे राहगीरों की नजर नाले में पड़े शव पर पड़ी। शव की हालत काफी खराब थी। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। जानकारी मिलते ही सीएसपी कमल सिंह चौहान और सेक्टर-1 थाना प्रभारी प्रवीण ठाकरे पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर आसपास के क्षेत्र की जानकारी जुटाई।

दो से तीन दिन पुराना होने का अनुमान

प्रारंभिक जांच में शव करीब दो से तीन दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। युवक का शव अर्धनग्न अवस्था में मिला है और शरीर के ऊपरी हिस्से पर चोट तथा क्षत-विक्षत होने के निशान बताए जा रहे हैं।

पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि शव को जंगली या आवारा जानवरों ने नुकसान पहुंचाया है या चोटों के पीछे कोई अन्य कारण है। फिलहाल किसी भी संभावना को खारिज नहीं किया गया है। एफएसएल टीम ने जुटाए फॉरेंसिक साक्ष्य मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला मुख्यालय से एफएसएल की विशेष टीम को मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और फिंगरप्रिंट सहित अन्य जरूरी फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाए। पुलिस हत्या सहित सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

गुमशुदगी की शिकायतों से पहचान का प्रयास

मृतक की पहचान करना पुलिस के सामने फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती है। इसके लिए आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की शिकायतों के आधार पर जानकारी जुटाई जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के निष्कर्ष सामने आने के बाद ही युवक की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

दैनिक विश्वनाथ समाचार
इंदौर, शुक्रवार 13 नवम्बर 2026

छठ पूजा को लेकर नगर पालिका और पुलिस प्रशासन अलर्ट,

संजय जलाशय-बगदून तालाब का निरीक्षण सीएमओ आरती गरवाल और नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेश पटेल ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा, सीएसपी कमल सिंह चौहान ने ली बैठक; हुड़दंगियों पर ड्रोन से रखी जाएगी नजर

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

पीथमपुर। छठ महापर्व को लेकर पीथमपुर में नगर पालिका और पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नगर पालिका की टीम ने संजय जलाशय और बगदून तालाब का निरीक्षण किया। वहीं पुलिस प्रशासन ने भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। घाटों पर उमड़ने वाली भीड़ और पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए हुड़दंगियों पर ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी।



नगर पालिका अधिकारियों ने देखीं व्यवस्थाएं

मुख्य नगर पालिका अधिकारी आरती गरवाल और नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेश पटेल ने संजय जलाशय एवं बगदून तालाब पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान छठ पूजा के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और घाटों पर की जाने वाली व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक तैयारियों पर ध्यान दिया जा रहा है।

सीएसपी ने ली बैठक, सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा

दूसरी ओर सीएसपी कमल सिंह चौहान ने छठ महापर्व के मद्देनजर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक की। बैठक में पर्व के दौरान घाटों और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने, भीड़ नियंत्रण तथा असामाजिक तत्वों पर नजर रखने को लेकर चर्चा की गई। थाना प्रभारी प्रवीण ठाकरे सहित पुलिस टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

ड्रोन से होगी हुड़दंगियों की निगरानी

पर्व के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था और हुड़दंग को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखेगा। घाटों और आसपास के संवेदनशील स्थानों पर नजर रखी जाएगी, ताकि श्रद्धालु शांतिपूर्ण माहौल में पूजा-अर्चना कर सकें। पुलिस प्रशासन ने पर्व के दौरान शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने की तैयारी की है। छठ महापर्व पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु संजय जलाशय और अन्य जलाशयों पर सूर्यदेव को अर्घ्य देने पहुंचते हैं।

फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का प्रारूप प्रकाशित, 11 दिसंबर तक दावे-आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी

निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

रतलाम भारत निर्वाचन आयोग तथा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी म.प्र. भोपाल के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के मान से फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली के संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के तहत आज 12 नवंबर को जिले की पांचों विधानसभा क्षेत्र विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 219-रतलाम ग्रामीण (अ.ज.जा.), 220-रतलाम सिटी, 221-सैलाना (अ.ज.जा.), 222-जावरा एवं 223-आलोट (अ.जा.) के प्रत्येक मतदान केंद्र पर फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का प्रारूप प्रकाशित किया गया है। प्रारूप प्रकाशन के साथ ही 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक नवीन मतदाता नाम जोड़ने तथा संशोधन एवं निरसन के दावे-आपत्तियों के फार्म प्राप्त किए जाएंगे। इसी क्रम में आज 12 नवंबर को जिले के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक नवीन कलेक्ट्रेट भवन के सभाकक्ष में श्रीमती राधा महंत डिप्टी कलेक्टर रतलाम की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों को जिले की पांचों विधानसभा क्षेत्रों की फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली की हार्डकॉपी के एक-एक सेट एवं फोटो रहित डेटा सीडी के एक-एक सेट प्रदान किए गए। साथ ही मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण के पश्चात जिले के कुल मतदान केंद्रों की संख्या 1409 हो गई है। जिले में कुल 5 लाख 45 हजार 186 पुरुष मतदाता, 4 लाख 54 हजार 728 महिला मतदाता एवं 36 अन्य मतदाता इस प्रकार कुल 10 लाख 90 हजार 950 मतदाता की जानकारी प्रदाय की गई ।

जावरा में मलेनी बैराज से अवैध सिंचाई की शिकायत पर कलेक्टर ने दिए जांच के निर्देश

पिछले वर्ष की तुलना में बैराज में 2 फीट कम पानी होने से पेयजल संकट की आशंका

रतलाम 1 जावरा नगर में पेयजल व्यवस्था को लेकर मलेनी नदी पर निर्मित बैराज में संग्रहित जल से अवैध रूप से सिंचाई किए जाने की शिकायत पर कलेक्टर श्री अजय कटेसरिया ने ईई डब्ल्यूआरडी को जांच के निर्देश दिए हैं। इस वर्ष अत्यंत कम वर्षा होने से भू-जल स्तर में भी काफी गिरावट आई है। वर्तमान में मलेनी बैराज में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 2 फीट कम जल उपलब्ध है। बैराज का जलस्तर लगातार कम हो रहा है। ऐसी स्थिति में बैराज में संग्रहित जल से अवैध रूप से उपयोग किए जाने पर रोक लगाना आवश्यक है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री कटेसरिया ने ईई डब्ल्यूआरडी को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

इंदौर-उज्जैन सिक्स लेन निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करे- संभागायुक्त श्री सिंह



अतिरिक्त संसाधन और श्रमिक लगाकर निर्माण कार्य में तेजी लाऐं, सर्विस रोड के साथ नाली निर्माण भी समय पर पूर्ण करें

उज्जैन। सिंहस्थ महापर्व 2028 की तैयारियों के अंतर्गत इंदौर-उज्जैन सिक्स लेन मार्ग के निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा निरंतर निर्माण कार्यों की निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में संभाग आयुक्त-सह-सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह एवं कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने गुरुवार शाम को नियमित निरीक्षण के दौरान एमपीआरडीसी द्वारा निर्माणाधीन इंदौर-उज्जैन सिक्स लेन मार्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सिक्स लेन मार्ग के निर्माण कार्य की प्रगति का स्थल पर जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों से कार्य की वर्तमान स्थिति एवं शेष कार्यों की जानकारी प्राप्त की। एमपीआरडीसी के अधिकारियों ने बताया कि सिक्स लेन मार्ग का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने नानाखेड़ा महामृत्युंजय द्वार से हरि फाटक ब्रिज की ओर निर्माणाधीन सिक्स लेन मार्ग का निरीक्षण करते हुए कार्य की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य को और गति देने के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त संसाधन एवं श्रमिकों की संख्या बढ़ाई जाए, ताकि शेष कार्य शीघ्र पूर्ण किया जा सके। उन्होंने कहा कि सिक्स लेन मार्ग के मुख्य निर्माण कार्य के साथ-साथ सर्विस रोड एवं नाली निर्माण का कार्य भी प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाए। निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो तथा सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराएं।

संभाग आयुक्त ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ महापर्व 2028 को दृष्टिगत रखते हुए विकसित किए जा रहे मार्ग भविष्य में बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं और आमजन के आवागमन की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण होंगे। इसलिए निर्माण कार्य में गुणवत्ता के साथ गति का भी विशेष ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के दौरान अपर मेला अधिकारी ओमप्रकाश सनोडिया सहित एमपीआरडीसी एवं नगर निगम के अधिकारी और इंजीनियर उपस्थित रहे।

जैन पत्रकार परिषद की इंदौर जिला कार्यकारिणी गठित

सोमील मेहता जैन बने जिला महासचिव

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

इंदौर। परम पूज्य आचार्य श्री विश्वरत्न सागर सूरीश्वर जी महाराज की अनुशंसा एवं प्रदेश संयोजक दीपक दुग्गड़ की सहमति से जैन पत्रकार परिषद की इंदौर जिला इकाई की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया है। नवीन कार्यकारिणी में देपालपुर



के पत्रकार सोमील मेहता जैन को जिला महासचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। नियुक्ति पर पत्रकारिता जगत एवं जैन समाज में हर्ष का माहौल है। परिषद के पदाधिकारियों व शुभचिंतकों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि वे अपने दायित्वों का निष्ठा व समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे।

छठ महापर्व आज से: न पुरोहित, न मूर्ति स्थापना... प्रकृति की गोद में सूर्यदेव की सीधी आराधना

36 घंटे का निर्जला व्रत, पानी में खड़े होकर डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य; बांस के सूप, ठेकुआ और लोकगीतों में रची है आस्था की अनूठी परंपरा



अभिषेक खंडेलवाल
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com



पीथमपुर। भारतीय संस्कृति में अनेक पर्व और त्योहार मनाए जाते हैं, लेकिन छठ महापर्व की परंपरा और पूजा पद्धति इसे सबसे अलग पहचान देती है। यहां न किसी भव्य मंदिर की आवश्यकता होती है, न मूर्ति स्थापना की और न ही पूजा संपन्न कराने के लिए पुरोहित अनिवार्य होते हैं। व्रती स्वयं प्रकृति के बीच जलाशय के किनारे खड़े होकर प्रत्यक्ष देवता सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं। बांस के सूप में सजे फल, ठेकुआ, नारियल और प्रसाद, लोकगीतों की गूंज तथा पानी में खड़े होकर की जाने वाली आराधना इस पर्व को अद्भुत स्वरूप प्रदान करती है।

लोक आस्था का चार दिवसीय छठ महापर्व आज 13 नवंबर से नहाय-खाय के साथ शुरू हो रहा है। छठ पूजा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें पूजा का केंद्र कोई स्थापित प्रतिमा नहीं, बल्कि स्वयं प्रकृति है। सूर्य को जीवन, ऊर्जा और प्रकाश का स्रोत मानकर उनकी उपासना की जाती है। इस पर्व में डूबते सूर्य को भी उतनी ही श्रद्धा से अर्घ्य दिया जाता है, जितनी श्रद्धा से अगले दिन उगते सूर्य की पूजा होती है। यही परंपरा छठ को दूसरे पर्वों से अलग बनाती है। यह केवल उगते सूरज की सफलता का उत्सव नहीं, बल्कि अस्त होते सूर्य के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त करने का संदेश देता है।

पुरोहित नहीं, व्रती स्वयं करते हैं पूजा-अर्चना

छठ महापर्व की एक अनूठी परंपरा यह है कि इसमें पूजा कराने के लिए पुरोहित की अनिवार्यता नहीं होती। व्रती स्वयं स्नान, शुद्धता, उपवास और निर्धारित परंपराओं का पालन करते हुए सूर्यदेव को अर्घ्य देते हैं। परिवार के सदस्य पूजा की सामग्री तैयार करने और सूप-दउरा घाट तक पहुंचाने में सहयोग करते हैं। इसमें मंत्रोच्चार से अधिक महत्व मन की श्रद्धा, नियम, संयम और पवित्रता का होता है। प्रत्यक्ष सूर्य के सामने खड़े होकर जल अर्पित करना इस पूजा की सबसे विशिष्ट पहचान है।

36 घंटे का निर्जला व्रत, कठिन तपस्या का प्रतीक

छठ महापर्व में व्रतधारी की तपस्या भी इसे विशेष बनाती है। सामान्यतः खरना के प्रसाद ग्रहण करने के बाद निर्जला व्रत शुरू होता है, जो अगले दिन शाम के अर्घ्य के बाद भी जारी रहता है और अंतिम दिन सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद पारण किया जाता है। इस दौरान व्रती अन्न और जल ग्रहण नहीं करते। यह लगभग 36 घंटे की कठिन व्रत परंपरा मानी जाती है। हालांकि यह व्रत केवल महिलाएं ही नहीं, पुरुष भी रखते हैं। महिलाओं की भागीदारी अधिक दिखाई देती है, लेकिन परिवार के पुरुष सदस्य भी पूरे नियम और श्रद्धा के साथ व्रत करते हैं।

चार दिन, चार अलग परंपराएं

छठ महापर्व की शुरुआत नहाय-खाय से होती है। इस दिन घरों की साफ-सफाई, स्नान और शुद्ध शाकाहारी भोजन के साथ व्रत की शुरुआत की जाती है। दूसरे दिन खरना होता है। व्रती पूरे दिन उपवास रखने के बाद शाम को पूजा कर गुड़ की खीर और रोटी जैसे प्रसाद ग्रहण करते हैं। इसके बाद निर्जला व्रत आरंभ होता है। तीसरे दिन संध्या अर्घ्य के लिए परिवार के सदस्य बांस के सूप और दउरा में फल, नारियल, गन्ना, ठेकुआ तथा अन्य पूजन सामग्री सजाकर घाटों पर पहुंचते हैं। व्रती जल में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। चौथे दिन भोर में उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद व्रती पारण कर चार दिवसीय महापर्व का समापन करते हैं।

ठेकुआ केवल प्रसाद नहीं, छठ की पहचान

छठ महापर्व में प्रसाद की भी अपनी विशेष पहचान है। गेहूं के आटे, गुड़ और घी से तैयार किया जाने वाला ठेकुआ सबसे प्रमुख प्रसादों में शामिल है। इसके साथ नारियल, केला, मौसमी फल, गन्ना और अन्य पारंपरिक सामग्री सूप में सजाई जाती है। प्रसाद तैयार करते समय स्वच्छता और शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाता है। कई परिवारों में इसे पारंपरिक तरीके से घर पर ही तैयार किया जाता है। बांस से बने सूप और दउरा का इस्तेमाल भी प्रकृति से जुड़ी इस पूजा की परंपरा को दर्शाता है।

लोकगीतों में बसती है छठ की संस्कृति

छठ के घाटों पर पूजा के साथ पारंपरिक लोकगीतों की भी विशेष भूमिका रहती है। महिलाएं समूह में छठी मैया और सूर्यदेव की महिमा के गीत गाती हैं। इन गीतों में परिवार, संतान, सुख-समृद्धि, त्याग और आस्था की भावनाएं झलकती हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी ये गीत और परंपराएं आगे बढ़ती रही हैं। घरों में प्रसाद बनाने से लेकर घाटों तक पहुंचने और सामूहिक अर्घ्य देने तक पूरा परिवार इस आयोजन का हिस्सा बनता है।

रामायण और महाभारत से भी जुड़ी हैं मान्यताएं

छठ महापर्व की प्राचीनता को लेकर अनेक धार्मिक और लोक मान्यताएं प्रचलित हैं। रामायण से जुड़ी मान्यता के अनुसार भगवान श्रीराम और माता सीता ने अयोध्या लौटने के बाद सूर्यदेव की उपासना की थी। वहीं महाभारत की परंपराओं में सूर्यपुत्र कर्ण द्वारा सूर्य की आराधना और जल में खड़े होकर अर्घ्य देने का उल्लेख लोककथाओं में मिलता है। द्रौपदी और पांडवों द्वारा भी सूर्य उपासना किए जाने की मान्यता प्रचलित है। इन कथाओं के अलग-अलग क्षेत्रीय रूप मिलते हैं, लेकिन सभी में सूर्यदेव के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता का भाव प्रमुख है।

पीथमपुर में पूर्वांचल की परंपरा का दिखेगा अनूठा संगमऔद्योगिक नगरी पीथमपुर में

40 हजार से अधिक पूर्वांचलवासी निवास करते हैं। रोजगार के लिए बिहार, उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों से आकर बसे परिवार अपनी संस्कृति और परंपराओं को पूरी श्रद्धा से निभाते हैं। छठ महापर्व उनके लिए अपनी जन्मभूमि, परिवार और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने का अवसर भी है। काकड़पुरा तालाब और संजय जलाशय पर होने वाली पूजा में परिवारों की सामूहिक भागीदारी, पारंपरिक गीत और सजे हुए सूप-दउरा शहर को पूर्वांचल की सांस्कृतिक पहचान से जोड़ेंगे। इनका कहना है।

पुरोहित के बिना स्वयं पूजा करने की परंपरा

छठ पूजा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सरलता और आत्मीयता है। इसमें किसी पुरोहित की अनिवार्यता नहीं होती। व्रती स्वयं सूर्यदेव की आराधना करते हैं। यह पर्व हमें अपनी आस्था और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव सिखाता है।

सीमा प्रसाद, पूर्वांचल समाज महिलाओं के त्याग और तपस्या का पर्व छठ महापर्व में व्रती महिलाओं का त्याग, संयम और समर्पण देखने को मिलता है। लगभग 36 घंटे तक निर्जला व्रत रखकर परिवार की सुख-समृद्धि और संतान की खुशहाली के लिए पूजा करना अपने आप में अद्भुत है। हालांकि पुरुष भी पूरी श्रद्धा के साथ यह व्रत रखते हैं।

रेखा देवी समाजजन- प्रकृति की पूजा का संदेश देता है छठ छठ ऐसा पर्व है जिसमें सूर्य, जल और प्रकृति की उपासना की जाती है। इसमें इस्तेमाल होने वाली अधिकांश पूजन सामग्री भी प्राकृतिक होती है। यह पर्व हमें प्रकृति के महत्व और उसके संरक्षण का संदेश देता है। डूबते सूर्य को अर्घ्य देना भी इसकी अनूठी परंपरा है। रामरती देवी समाजजन

नई पीढ़ी को संस्कृति से जोड़ता है छठ -पीथमपुर जैसे औद्योगिक शहर में रोजगार के लिए हजारों परिवार अपने गृहक्षेत्र से दूर रहते हैं, लेकिन छठ महापर्व उन्हें अपनी मिट्टी और संस्कृति से जोड़े रखता है। बच्चे जब अपने माता-पिता और परिवार के साथ घाट पर पूजा करते हैं तो वे अपनी परंपराओं को भी सीखते हैं। यही इस पर्व की सबसे बड़ी खूबसूरती है।

निर्मला देवी प्रसाद समाजजन

दीपावली पर भाजपा के दिग्गजों का जुटा जमावड़ा, वरिष्ठ नेतृत्व से आत्मीय मुलाकातों का दौर

विधानसभा अध्यक्ष तोमर, सीएम यादव, प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल और संगठन मंत्री चंद्रशेखर से की सौजन्य भेंट, केंद्रीय मंत्री शिवराजसिंह चौहान की दिवंगत माताजी के त्रयोदशी संस्कार एवं श्रद्धांजलि सभा में भी हुए शामिल



संदीप परमार (सेन)
प्रधान संपादक-9755161156
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com





इंदौर। दीपावली के उल्लास और रोशनी के पर्व के बीच भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, संगठन पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच आत्मीय मुलाकातों का सिलसिला देखने को मिला। पर्व की खुशियां साझा करने और शुभकामनाओं के आदान-प्रदान के लिए प्रदेश की राजनीति और भाजपा संगठन के प्रमुख चेहरों से सौजन्य भेंट की गई।

इन मुलाकातों में मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता नरेंद्रसिंह तोमर के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. हेमंत खंडेलवाल तथा प्रदेश संगठन मंत्री चंद्रशेखर जी से हुई मुलाकात विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। दीपावली के अवसर पर वरिष्ठ नेतृत्व से हुई इन मुलाकातों में पारंपरिक आत्मीयता, आपसी सद्भाव और संगठनात्मक रिश्तों की झलक दिखाई दी। इस दौरान भाजपा की वरिष्ठ विधायक मालिनी गौड़, विधायक मनोज पटेल, सुदर्शन गुप्ता, गौरव रणदिवे, सावन सोनकर एवं एकलव्य गौड़ सहित कई प्रमुख जनप्रतिनिधि एवं राजनीतिक चेहरे मौजूद रहे। इसी क्रम में सभी नेताओं ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान की दिवंगत पूज्य माताजी के त्रयोदशी संस्कार एवं श्रद्धांजलि सभा में भी सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने दिवंगत माताजी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा केंद्रीय मंत्री शिवराजसिंह चौहान एवं उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं। दुख की इस घड़ी में परिवार के साथ खड़े होकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। दीपावली की शुभकामनाओं के साथ श्रद्धांजलि सभा में सहभागिता ने इन मुलाकातों को सामाजिक और पारिवारिक संवेदनाओं से भी जोड़ दिया। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्रसिंह तोमर से सौजन्य भेंट कर उन्हें दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश संगठन मंत्री चंद्रशेखर जी से भी मुलाकात कर दीपोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। सभी मुलाकातों के दौरान सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और प्रदेश की निरंतर प्रगति की कामना की गई।

राजनीतिक दृष्टि से भी दीपावली के इस अवसर पर प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व और जनप्रतिनिधियों के बीच संवाद की यह तस्वीर उल्लेखनीय रही। एक ओर सरकार का नेतृत्व कर रहे मुख्यमंत्री, दूसरी ओर संगठन की कमान संभाल रहे प्रदेश अध्यक्ष और संगठन मंत्री तथा विधानसभा अध्यक्ष जैसे वरिष्ठ नेता, सभी के साथ जनप्रतिनिधियों की मुलाकात ने आपसी संवाद और संगठनात्मक संपर्क की झलक प्रस्तुत की। दीपावली भारतीय संस्कृति में केवल दीप जलाने और खुशियां मनाने का पर्व नहीं, बल्कि रिश्तों को नई ऊर्जा देने, आत्मीयता बढ़ाने और आपसी सद्भाव को मजबूत करने का अवसर भी है। वहीं, किसी परिवार में शोक के अवसर पर सहभागी बनना भारतीय सामाजिक परंपरा में संवेदना और मानवीय रिश्तों के सम्मान का प्रतीक माना जाता है। भाजपा नेताओं ने जहां दीपावली पर वरिष्ठ नेतृत्व को शुभकामनाएं दीं, वहीं केंद्रीय मंत्री शिवराजसिंह चौहान की माताजी के त्रयोदशी संस्कार एवं श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर अपनी संवेदनाएं भी प्रकट कीं। दीपोत्सव की खुशियों से लेकर शोक की घड़ी में संवेदना व्यक्त करने तक, इन मुलाकातों में राजनीतिक औपचारिकता के साथ पारिवारिक आत्मीयता और सामाजिक सरोकारों की भी झलक दिखाई दी। वरिष्ठ नेताओं के साथ सौजन्य भेंट और श्रद्धांजलि सभा में सामूहिक सहभागिता के साथ यह अवसर यादगार रहा।

दिग्विजय के नेतृत्व वाले बयान पर जीतू पटवारी का आया रिएक्शन, सोनिया गांधी की किताब से लेकर तबादलों पर कही ये बात

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2028 के लिए अब से दो साल बचे है। इससे पहले बयानबाजी का दौर तेज हो गया है। दिग्विजय सिंह ने जीतू पटवारी और उमंग सिंघार के नेतृत्व में चुनाव लड़ने की बात कही थी। इस पर अब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की प्रतिक्रिया सामने आई है। वहीं उन्होंने सोनिया गांधी की किताब, रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा के बयान, प्रदेश में हो रहे तबादलों पर भी अपनी बात रखी है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि नेतृत्व को लेकर आलाकमान फैसला करेगा। एमपी विधानसभा चुनाव 2028 में कौन चेहरा होगा ? किसके नेतृत्व में चुनाव होगा ? यह समय पर पार्टी नेतृत्व तय करेगा। आपको बता दें कि हाल ही में गुना में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कहा था कि 2028 का विधानसभा चुनाव उमंग सिंघार और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। वहीं कमलनाथ को लेकर दिग्गी ने कहा था कि वे हमारे सीनियर लीडर है, मध्य प्रदेश में वर्चस्व रखते हैं।

जीतू पटवारी ने रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा के किसानों को लेकर दिए गए विवादित बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भाजपा की नजरों में किसान निम्न स्तर की सूची में आता है। किसानों के वोट लेकर फिर उनका अपमान करते हैं। जनार्दन मिश्रा का बयान उदाहरण है। भाजपा ने किसानों को नक्सली तक कहा है। किसनों की फसल उचित दम पर नहीं खरीदी जाती, उन्हें नशेड़ी कहा जा रहा है। पटवारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सरकार ने किसानों से माफी नहीं मांगी तो भाजपा विधायक और सांसदों के बंगलो का घेराव करेंगे।

चंबल के पानी पर किसानों ने ठोका पहला हक

बिरला उद्योग के खिलाफ खोला मोर्चा, डेम के गेट बंद कर पानी में खड़े होकर किया प्रदर्शन

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

उज्जैन। जिले के नागदा क्षेत्र में चंबल नदी के पानी को लेकर किसानों का गुस्सा फूट पड़ा है। बिरला उद्योग को नदी से पानी दिए जाने के विरोध में क्षेत्र के किसानों ने ग्राम पिपलोदा बागला स्थित चंबल नदी के डेम पर पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया और डेम के गेट बंद कर दिए। किसानों का स्पष्ट कहना है कि चंबल के पानी पर पहला अधिकार खेती और अन्नदाताओं का है, इसलिए उद्योगों को सप्लाई देने से पहले सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी सुनिश्चित किया जाए।

ग्राम पिपलोदा बागला स्थित डेम पर बड़ी संख्या में जुटे किसानों ने उद्योग प्रबंधन और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान कई किसान डेम के पानी में खड़े होकर अपना विरोध जताते नजर आए। किसानों ने डेम के गेट बंद कर उद्योग



की ओर जाने वाली जलापूर्ति को रोकने का प्रयास किया। किसानों का कहना है कि वर्तमान में फसलों को सिंचाई के लिए पानी की सख्त जरूरत है। ऐसे में नदी का पानी उद्योगों को दिया जाना किसानों के साथ सीधा अन्याय है।

किसानों के इस आंदोलन को राजनीतिक समर्थन भी मिला। पूर्व विधायक दिलीपसिंह शेखावत और मोतीसिंह शेखावत भी धरना स्थल पर पहुंचे और किसानों की मांगों का पुरजोर समर्थन किया। पूर्व विधायक दिलीपसिंह शेखावत ने मांग उठाई कि बिरला उद्योग को चंबल नदी के बजाय नर्मदा पाइपलाइन से पानी उपलब्ध कराया जाए, ताकि चंबल का पानी पूरी तरह क्षेत्र के किसानों की सिंचाई के लिए सुरक्षित रह सके। वहीं, मोतीसिंह शेखावत ने पानी की दरों में भेदभाव का आरोप लगाते हुए सवाल खड़ा किया कि सरकार उद्योगों को बेहद सस्ती दरों पर पानी मुहैया करा रही है, जबकि आम जनता और किसान महंगे दामों पर पानी खरीदने को मजबूर हैं। प्रदर्शनकारी किसानों ने प्रशासन और उद्योग प्रबंधन को साफ चेतावनी दी है कि जब तक क्षेत्र के किसानों की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी की ठोस व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक उनका यह विरोध प्रदर्शन और आंदोलन लगातार जारी रहेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक संदीप परमार द्वारा उदयरत्न ऑफसेट 170/2, दारू गोडाउन के आगे, आगर रोड, उज्जैन से मुद्रित एवं 215, सोमानी नगर, एयरपोर्ट 60 फीट रोड, इंदौर (म.प्र.) 452005 से प्रकाशित।
सनातन दवदी (स्थानीय संपादक)/ उत्कर्ष जैन-(जीवन डोडिया-9926084685) RNI No. MPHIN/25/A4357- (सभी विवादों का क्षेत्र इंदौर रहेगा)- (नोट : पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)-मो. 7000928755 E-mail:- vishwanathsamachar@gmail.com